www.PapaCambridge.com

Cambridge International A Level

**Cambridge International Examinations**
Cambridge International Advanced Level

**HINDI** **9687/04**

Paper 4 Texts **October/November 2014**

**2 hours 30 minutes**

No Additional Materials are required.

**READ THESE INSTRUCTIONS FIRST**

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

**उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िए:**

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए|
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या हर उत्तर पुस्तिका पर लिखिए|
गहरे नीले या काले रंग की स्याही वाली कलम से लिखिए|
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप, गोंद या करेक्शन फ़्लुइड का प्रयोग न करें|
किसी बारकोड पर न लिखें|

किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों में से चुने जाने चाहिए| **भाग 1** से एक प्रश्न, **भाग** 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है| तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है|
अपने उत्तर, दी गई उत्तर-पुस्तिका पर, **हिन्दी** में लिखिए|
शब्दकोश का प्रयोग मना है|
आप परीक्षा में पाठ्य पुस्तक नहीं ले जा सकते हैं|
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए|
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिये एक समान समय दें|
परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से धागे से एक साथ बाँध दें|
हर प्रश्न के अन्त में कोष्टक [] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं|

This document consists of **5** printed pages, **3** blank pages and **1** insert.

DC (LK/JF) 86036/3
© UCLES 2014

CAMBRIDGE International Examinations

[Turn over

www.PapaCambridge.com

# भाग 1

## 1 श्री रामचरितमानस - तुलसीदास और कबीर ग्रंथावली - कबीरदास

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(क) निम्नलिखित दोहों की सप्रसंग व्याख्या करते हुए माता कौशल्या की मानसिक दशा का विश्लेषण कीजिए।

दो.- मातु भरत के बचन सुनि साँचे सरल सुभायँ।
कहति राम प्रिय तात तुम्ह सदा बचन मन काँय।।

चौ.- राम प्रानहु तें प्रान तुम्हारे। तुम्ह रघुपतिहि प्रानहु तें प्यारे।।
बिधु बिष चवै स्रवै हिमु आगी। होइ बारिचर बारि बिरागी।।
भएँ ग्यानु बरु मिटै न मोहू। तुम्ह रामहि प्रतिकूल न होहू।।
मत तुम्हार बहु जो जग कहहीं। सो सपनेहुँ सुख सुगति न लहहीं।।
अस कहि मातु भरतु हियँ लाए। थन पय स्रवहिं नयन जल छाए।।
करत बिलाप बहुत एहि भाँती। बैठेहिं बीति गई सब राती।।

**अयोध्याकाण्ड** [25]

**या**

(ख) निर्गुण साधना के अनुसार 'गोविंद' तक पँहुचने में 'गुरु' के महत्व का वर्णन कबीर ग्रंथावली के पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश के उदाहरण द्वारा कीजिए। [25]

© UCLES 2014

www.PapaCambridge.com

## 2 प्रसाद निराला महादेवी पंत की श्रेष्ठ रचनाएँ

**प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।**

(क) निम्नलिखित काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या करते हुए निराला की भाषा एवं भाव सौंदर्य का मूल्यांकन कीजिए।

झूम-झूम मृदु गरज-गरज घन घोर।
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर!

झर झर झर निर्झर - गिरि - सर में,
घर, मरु, तरु - मर्मर, सागर में,
सरित - तड़ित - गति - चकित पवन में,
मन में, विजन - गहन - कानन में,
आनन-आनन में, रव घोर - कठोर -
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर!

अरे वर्ष के हर्ष!
बरस तू बरस - बरस रसधार!
पार ले चल तू मुझको,
बहा, दिखा मुझको भी निज
गर्जन-भैरव-संसार!

उथल-पुथल कर हृदय -
मचा हलचल -
चल रे चल -
मेरे पागल बादल!

**बादल राग** (1) [25]

या

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के उदाहरण द्वारा महादेवी वर्मा एवं सुमित्रानन्दन पंत की भाषा एवं भाव सौन्दर्य की तुलनात्मक विवेचना कीजिए। [25]

© UCLES 2014

www.PapaCambridge.com

## 3 मैथिलीशरण गुप्त - भारत - भारती

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए|

(क) निम्नलिखित काव्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए|

मूँदे रही दोनों नयन आमरण 'गान्धारी' जहाँ,
पति-संग 'दमयंती' स्वयं वन वन में फिरी मारी जहाँ|
यों ही जहाँ की नारियों ने धर्म्म का पालन किया,
आश्चर्य क्या फिर ईश ने जो दिव्य बल उनको दिया||

अबला जनों का आत्म-बल संसार में वह था नया,
चाहा उन्होंने तो अधिक क्या, रवि-उदय भी रुक गया!
जिसमें क्षुब्ध मुनि की दृष्टि से जलकर विहग भू पर गिरा,
वह भी सती के तेज-सम्मुख रह गया निष्प्रभ निरा||

**भारत-भारती** [25]

**या**

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित अतीत, वर्तमान और भविष्य खण्डों के उदाहरण देते हुए मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' की मूल संवेदना का वर्णन कीजिए| [25]

© UCLES 2014

www.PapaCambridge.com

## <u>भाग 2</u>

### 4 आधे अधूरे - मोहन राकेश

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(क) आधे अधूरे नाटक की कथावस्तु की समीक्षा करते हुए उसकी मूल समस्या का विश्लेषण कीजिए। [25]

या

(ख) 'आधे अधूरे' नाटक की सावित्री का चरित्र-चित्रण उदाहरण सहित कीजिए। [25]

### 5 आधुनिक कहानी संग्रह - सरोजिनी शर्मा

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(क) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' की कथावस्तु के विवरण द्वारा उसके शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार लिखिए। [25]

या

(ख) मन्नू भण्डारी की कहानी 'रानी माँ का चबूतरा' की गुलाबी के चरित्र की विसंगति की विवेचना कीजिए। [25]

### 6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ - सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(क) महेश रामजियावन ने अपनी 'चक्कर' कहानी में किस सामाजिक दुरावस्था का चित्रण किया है? [25]

या

(ख) 'चाहे-अनचाहे' कहानी में नायक के अंतर्द्वंद्व का चित्रण करने में जय जीऊत कहाँ तक सफल हुए हैं? [25]

© UCLES 2014

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

© UCLES 2014

**BLANK PAGE**

www.PapaCambridge.com

© UCLES 2014

**BLANK PAGE**

www.PapaCambridge.com

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2014